रॉबर्ट वानॉय , ड्यूटेरोनॉमी, व्याख्यान 7

© 2011, डॉ. रॉबर्ट वानॉय , डॉ. पेरी फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

अनुबंध प्रपत्र के ऐतिहासिक निहितार्थ, सिट्ज़ इम लेबेन

समीक्षा

हम रूपरेखा के पृष्ठ 3 से लेकर 2बी तक पर थे। हमने पिछले सप्ताह का अधिकतर समय 2 पर चर्चा करते हुए बिताया। एसरहद्दोन की असीरियन संधियाँ और अरामी संधियाँ, जो सेफ़ायर से "बी" है और उन संधियों के संरचना प्रारूप की हित्ती संधियों के साथ तुलना कर रही है। मुझे लगता है कि "अरामाइक संधियों को देखने के बाद निष्कर्ष" के बाद हम यहीं रुक गए थे। हमने सी पर चर्चा नहीं की। "संधि वाचा के निहितार्थ।" मैंने निष्कर्ष में कहा कि क्लाइन के पास संधि प्रपत्र के विकास के बारे में बात करने का अच्छा कारण है।

सी । "संधि वाचा के निहितार्थ।" -- जे. थॉम्पसन: प्रारंभिक राजशाही डेटिंग कॉन्ट्रा क्लाइन

फिर यह हमें जे. थॉम्पसन के साथ इस दूसरी चीज़ पर लाता है । आप थॉम्पसन पढ़ रहे हैं, और टिंडेल श्रृंखला में उनकी आईवीपी पुस्तक, पृष्ठ 51-52 में, उन्होंने क्लाइन के निष्कर्ष के बारे में कुछ आपत्तियां व्यक्त की हैं। थॉम्पसन स्वयं 11 वीं -10 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में व्यवस्थाविवरण की तारीख के लिए तर्क देते हैं, जो सुलैमान और डेविड का काल होगा। वह काम के पीछे मूसा को देखता है, लेकिन महसूस करता है कि संपादकीय प्रक्रियाओं ने इसे उस बिंदु पर ला दिया है जहां यह अभी हमारे पास है। इसलिए जहां तक थॉम्पसन की किताब का सवाल है, वह निश्चित रूप से वेलहौसन 7 वीं शताब्दी-621 ईसा पूर्व जैसी तारीख की वकालत नहीं कर रहा है। यह या तो सोलोमन-डेविड का समय है, और इसके बड़े हिस्से मोज़ेक भी हैं, लेकिन इसमें शामिल संपादकीय प्रक्रियाएं संयुक्त राजशाही के समय में हुईं।

1. ड्यूटेरोनॉमी का स्वरूप मूसा के बाद लंबे समय तक आकार दिया गया , मुझे लगता है कि क्लाइन के दृष्टिकोण के बारे में उनकी आपत्तियां मूल रूप से दो हैं: एक यह कि, उनके विचार में, उन्हें लगता है कि व्यवस्थाविवरण को मूसा के लंबे समय बाद लिखने वाले किसी व्यक्ति द्वारा संधि

प्रपत्र के आकार में रखा जा सकता था। ' समय। यह पृष्ठ 51 पर निचला पैराग्राफ है। " इस संभावना को अनुमति दी जानी चाहिए कि व्यवस्थाविवरण को एक प्राचीन संधि के रूप में किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा लिखा गया था जिसने मूसा के दिनों के बहुत बाद लिखा था।" अब, उस दृष्टिकोण में, थॉम्पसन की मूल थीसिस फ्रैंकिना नाम के एक व्यक्ति की तुलना में बहुत अलग नहीं है - मेरा मानना है कि यह आपकी ग्रंथ सूची में है - यदि आप अपनी ग्रंथ सूची के पृष्ठ 4 को देखें, आर. फ्रैंकिना , "एसारहेडन की वासल संधियाँ और व्यवस्थाविवरण की डेटिंग।" उस लेख में, फ्रेंकिना निर्भरता का तर्क देती है, विशेष रूप से व्यवस्थाविवरण अध्याय 28 में संधि शापों की, असीरियन संधि शापों पर, और उन्हें लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो व्यवस्थाविवरण की देर की तारीख के लिए एक तर्क है। इसे उस संधि शब्दावली और पिछले समय की अभिव्यक्ति में रखा गया है। फ्रैंकिना ने यह तर्क दिया, और मोशे वेनफेल्ड ने भी , जिसका मैंने पिछले सप्ताह उल्लेख किया था। यह मोशे वेनफेल्ड की पुस्तक *ड्यूटेरोनॉमी एंड द ड्यूटेरोनॉमिक स्कूल में है।* उनका मानना है कि व्यवस्थाविवरण में संधि प्रपत्र को हिजकिय्याह और योशिय्याह के समय में अदालत के शास्त्रियों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना है, ताकि प्रपत्र को सामग्री पर देर से लागू किया जा सके। अब थॉम्पसन इतनी देर से हिजकिय्याह और योशिय्याह तक नहीं जाता है, लेकिन सिद्धांत रूप में, आप देखते हैं, वह जो कह रहा है वह यह है कि "संभावना खुली होनी चाहिए कि संधि प्रपत्र का आकार ड्यूटेरोनॉमी को लंबे समय से जीवित किसी व्यक्ति द्वारा दिया गया है मूसा का समय।" तो यह एक बात है जो वह कहते हैं। 2. थॉम्पसन ऐतिहासिक प्रस्तावना को

मजबूत तिथि संकेतक

के रूप में नहीं देखता है क्लाइन के तर्क के विरोध में एक और बात ऐतिहासिक प्रस्तावना से संबंधित है। थॉम्पसन का कहना है कि ऐतिहासिक प्रस्तावना तर्क मजबूत नहीं है। ऐतिहासिक प्रस्तावना की अनुपस्थिति क्या तर्क देती है? ऐतिहासिक प्रस्तावना का तर्क यह है कि असीरियन और अरामी संधियों में एक नहीं है और हित्ती संधियों में ऐसा है और यह विरोधाभासों में से एक है। यह एकमात्र विरोधाभास नहीं है, बल्कि विरोधाभासों में से एक है, और निश्चित रूप से यह एक महत्वपूर्ण विरोधाभास है क्योंकि यह संधि के स्वर और चरित्र के साथ-साथ रिश्ते की संधि को भी

प्रभावित करता है। लेकिन वह कहते हैं. " वह तर्क सही नहीं है क्योंकि असीरियन और अरामी संधियों में या तो 'प्रस्तावना मानी गई' हो सकती है या इसे मौखिक रूप से कहा गया हो सकता है।" दूसरे शब्दों में, आप इसे वहां नहीं देखते हैं, लेकिन हो सकता है कि यह मान लिया गया हो - जो कि उनकी ओर से काफी धारणा है। उनका कहना है कि शायद यह मौखिक रूप से कहा गया था। हो सकता है कि संधि व्यवस्था के समापन से पहले कुछ मौखिक पिछला इतिहास दिया गया हो। वह आगे सुझाव देते हैं कि सेफ़ायर से अरामी संधियों के साथ , उनमें से कुछ शीर्ष पर टूट गई हैं। उनका कहना है कि शायद टूटे हुए खंड में ऐतिहासिक प्रस्तावना थी जो अब हमारे पास नहीं है। इसलिए वह उस तरह से ऐतिहासिक प्रस्तावना तर्क को कमजोर करने की कोशिश करता है।

इसके अलावा, वह एक ऐतिहासिक प्रस्तावना के साथ 7 वीं शताब्दी के पाठ के साक्ष्य का दावा करता है। दूसरे शब्दों में, वह तर्क को दूसरी ओर मोड़ना चाहता है। उनका कहना है कि उन्हें 7 वीं शताब्दी के एक संधि पाठ का साक्ष्य मिला है - जो देर से आया होगा - जिसमें एक ऐतिहासिक प्रस्तावना है। यदि आप संधि के विकास के आधार पर यह तर्क देने जा रहे हैं कि प्रारंभिक संधियों की एक ऐतिहासिक प्रस्तावना थी, बाद की संधियों की नहीं, तो आप एक देर की संधि के साथ आते हैं जिसमें एक है, यह कमजोर करता है संधि प्रपत्र के विकास को निर्णायक मानने का तर्क। लेकिन ये उनके बुनियादी तर्क हैं. पृष्ठ 52 के शीर्ष पर देखें: वह कहते हैं, "लेकिन वास्तव में, 7 वीं शताब्दी ईसा पूर्व की एक संधि है जहां ऐतिहासिक प्रस्तावना होती है," और अपने फ़ुटनोट में उन्होंने 7वीं शताब्दी की संधि में ऐतिहासिक प्रस्तावना के लिए एएफ कैंपबेल का उल्लेख किया है। *बाइबिलिका* में प्रकाशित पाठ । 3.

ऐतिहासिक प्रस्तावना

के साथ थॉम्पसन और देर से संधि पर प्रतिक्रिया तो, थॉम्पसन के उन दो बिंदुओं के जवाब में - पहला उस बाद वाले बिंदु के जवाब में: वह जिस पाठ का हवाला देता है वह एक ऐसा पाठ है जो अपने आप में विवादित है। यह 7 वीं शताब्दी के किसी पाठ में ऐतिहासिक प्रस्तावना का स्पष्ट प्रमाण है या नहीं, यह इतना स्पष्ट नहीं है। एक और लेख है, यह आपकी ग्रंथ सूची में है, और यह भ्रमित करने वाला हो सकता है क्योंकि वह जिस लेख का हवाला देता है वह एएफ कैंपबेल का है, लेकिन एक

लेख ईएफ कैंपबेल का है। यदि आप अपनी ग्रंथ सूची के पृष्ठ चार को देखें, तो वे एक-दूसरे के ठीक नीचे हैं। वह एएफ कैंपबेल का हवाला देते हैं, लेकिन इसके ठीक नीचे ईएफ कैंपबेल का एक लेख है जिसका नाम है "मूसा और इज़राइल की नींव।" उस लेख में ईएफ कैंपबेल कहते हैं, "जिस पाठ की बात की जा रही है [जिसका वह उल्लेख कर रहे हैं] वह बहुत ही खंडित है, खासकर शुरुआत में, और पढ़ने पर यह स्पष्ट नहीं है।" मैंने वह पाठ कभी नहीं देखा है, लेकिन जाहिर तौर पर यह एक विवादित पाठ है।

हाल ही में, आपको जो लेख पढ़ने के लिए सौंपा गया है वह केए किचन द्वारा लिखा गया है, जो मूल रूप से निकोलसन की पुस्तक *गॉड एंड हिज पीपल: कोवेनेंट एंड थियोलॉजी इन द ओल्ड टेस्टामेंट का विश्लेषण है*। किचन के विश्लेषण में, पृष्ठ 132, नोट 37- वे कहते हैं, "मैक्कार्थी और वेनफेल्ड के कार्य, जिनसे निकोलसन ने निष्कर्ष निकाला है, पहले उदाहरण में 14 वीं /13 वीं शताब्दी की संधियों के बीच स्पष्ट अंतर को अस्पष्ट करते हैं। पूर्व संधियों में ऐतिहासिक प्रस्तावनाएँ हैं, जबकि बाद में नहीं हैं।" तो आप फिर से देखते हैं कि यह वही विरोधाभास है। किचन का कहना है कि शुरुआती लोगों के पास यह है, बाद वाले के पास यह नहीं है। फिर उनके पास यह फ़ुटनोट है: वे कहते हैं, "अशर्बनिपाल और किदार की संधि में कथित स्थान कोई प्रस्तावना नहीं है। अब खोए हुए शीर्षक और गवाहों के बाद, केवल एक ऐतिहासिक संकेत मिलता है, जिसका उपयोग एशर्बनिपाल के स्वभाव को उचित ठहराने के लिए किया जाता है। तो किचन यह भी तर्क दे रहा है कि थॉम्पसन ने 7 वीं शताब्दी के पाठ में एक ऐतिहासिक प्रस्तावना की घटना के लिए जो अपील की है वह वास्तव में एक ऐतिहासिक प्रस्तावना नहीं है। इसलिए मैं वास्तव में इतना आश्वस्त नहीं हूं कि थॉम्पसन ने जो बात कही है उसका कोई अच्छा आधार है।

दूसरी बुनियादी बात जो वह कहते हैं वह यह है कि "मूसा के समय के बहुत बाद किसी ने व्यवस्थाविवरण को संधि के रूप में ढाला।" यह निःसंदेह संभव है; आप इसे ख़ारिज नहीं कर सकते, लेकिन मुझे यह बहुत ही असंभावित लगता है कि व्यवस्थाविवरण के आकार के लिए यह एक अच्छी व्याख्या है। और निश्चित रूप से यह क्लाइन की थीसिस का खंडन नहीं करता है - यह आपको एक और मॉडल देता है - लेकिन यह निश्चित रूप से क्लाइन की थीसिस का खंडन नहीं करता है जो कहता है कि यह मोज़ेक होना चाहिए क्योंकि जिन सामग्रियों से यह सबसे अधिक मेल

खाता है वे मोज़ेक युग से आते हैं। मुझे लगता है कि यह क्लाइन के लिए सबसे मजबूत तर्क है, और यह कहना, "खैर इसे किसी ने बहुत बाद में उस रूप में प्रस्तुत किया है," कोई भी इस तरह का दावा कर सकता है, लेकिन निश्चित रूप से थॉम्पसन इसे साबित नहीं कर सकता है। मुझे ऐसा लगता है कि साक्ष्य का भार क्लाइन की ओर जाता है।

विद्यार्थी का प्रश्न: कोई ऐसी परिकल्पना क्यों करेगा?

वन्नॉय : बिल्कुल यही बात है। मुझे स्वयं इस बात पर आश्चर्य हुआ है। यह मुझे आश्चर्यचकित करता है कि वह ऐसा इसलिए करता है क्योंकि थॉम्पसन आम तौर पर अपने विचारों में काफी रूढ़िवादी हैं। मुझे नहीं पता कि उनके लिए निर्णायक कारक क्या है. एक और चीज़ है जिसका उन्होंने उल्लेख किया है कि मैं एक मिनट में वापस आऊंगा, और इसे वे व्यवस्थाविवरण में पोस्ट-मोज़ेक तत्व कहते हैं। वह एक अन्य कारक हो सकता है. लेकिन मुझे लगता है कि उन सवालों पर पर्याप्त रूप से चर्चा की गई है। मुझे नहीं पता कि वह उस दिशा में क्यों जाता है। मुझे ऐसा लगता है कि सबूतों का वजन मोज़ेक दिशा की ओर इशारा करता है।

तो मुझे ऐसा लगता है कि वे दो बिंदु - प्रस्तावना तर्क और संभावना है कि किसी ने व्यवस्थाविवरण को मूसा के दिन के लंबे समय बाद संधि के रूप में ढाला - वास्तव में थॉम्पसन को मोज़ेक मूल के खिलाफ बहुत मजबूत मामला नहीं देते हैं । क्लाइन ने अपनी *बाइबिल अथॉरिटी की संरचना*, पृष्ठ 10 में टिप्पणी की है, "यदि एक बार यह मान लिया जाए कि ड्यूटेरोनोमिक संधि किसी विशेष अवसर के लिए पूरी की गई होगी, तो मोज़ेक युग में इज़राइल की स्थिति के लिए पुस्तक का व्यापक अभिविन्यास, और विशेष रूप से इस संधि की केंद्रीय चिंता, जोशुआ के वंशवादी उत्तराधिकार के साथ, पुस्तक की 7 वीं शताब्दी की उत्पत्ति के समर्थकों के लिए हमेशा अजीब होती है। यह उनके लिए काफी समझ से बाहर हो जाता है।" मुझे लगता है कि वह इसमें सही है। यदि कोई इसे बाद में आगे बढ़ाने जा रहा है, तो मूसा से जोशुआ के उत्तराधिकार पर इतना जोर क्यों दिया जा रहा है? यह उस समय के लिए उपयुक्त है जब यह स्वयं को लिखे जाने का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन उसके बाद अर्थहीन हो जाता है।

4. मैककॉनविले का निष्कर्ष मैककॉनविले, आप उनकी पुस्तक पढ़ रहे हैं, संधि प्रपत्र के इस

मामले पर भी चर्चा करते हैं। अपनी संपूर्ण पुस्तक, पृष्ठ 159 के निष्कर्ष में, वह यह कहते हैं: “व्यवस्थाविवरण के संधि प्रपत्र पर अंतिम शब्द आ चुका है। हमने देखा कि अध्याय 1-11 और 12-18 के बीच भाषाई संबंध वास्तव में अध्याय 7 और 12 के बीच औपचारिक समानता है, जो अध्याय 1-11 में इज़राइल की ओर से यहोवा की कार्रवाई और उस कार्रवाई पर इज़राइल की प्रतिक्रिया के बीच संबंध को इंगित करता है। अध्याय 12-18 में।” इसलिए अध्याय 1-11 मूल रूप से ऐतिहासिक सामग्री और बुनियादी शर्तें हैं, जबकि अध्याय 12-18 इज़राइल का दायित्व है। तो वह जो कह रहा है वह यह है कि पहले ग्यारह अध्यायों में आपके पास यहोवा की कार्रवाई है, और फिर 12-18 में आपके पास इज़राइल की प्रतिक्रिया है, और वह कहता है, "इससे पता चलता है कि व्यवस्थाविवरण में संधि के स्वरूप की समझ सीमा की पहचान करने का मामला नहीं है संधि के विभिन्न घटक भागों का, बल्कि संधि की क्रिया-प्रतिक्रिया विशेषता का पुस्तक की भाषा में गहरे स्तर पर प्रतिनिधित्व पाया जाता है। हमने अपने अध्ययन के पहले चरण में संदेह व्यक्त किया था कि हित्ती संधियों के समान या कमोबेश एक रूप की मान्यता वास्तव में ड्यूटेरोनोमिस्टिक सिद्धांत द्वारा आवश्यक विश्वास के साथ संगत थी कि वह रूप केवल बाद के चरणों में ही आया था। पुस्तक की रचना, निर्वासन के समय के आसपास। हमें उस सिद्धांत [यानी, जेईडीपी] को मौलिक रूप से चुनौती देने के कई कारण मिले हैं। वर्तमान लेखक को ऐसा लगता है कि ड्यूटेरोनॉमी अध्ययनों को भविष्य में संधि प्रपत्र के निहितार्थों पर ध्यान देना चाहिए, जो स्पष्ट रूप से समाप्त नहीं हुए हैं, बजाय इसके कि पुस्तक की समझ की कुंजी को एक ऐसे सिद्धांत में खोजा जाए जो करीबी जांच से बच नहीं सकता है। ।” तो यह इस पूरे प्रश्न पर मैककॉनविले की टिप्पणियाँ हैं।

5. किचन का निष्कर्ष केए किचन के दूसरे लेख से सिर्फ एक अंतिम उद्धरण है जिसे आप जे. बार्टन पायने द्वारा संपादित वॉल्यूम *न्यू पर्सपेक्टिव्स ऑन द ओल्ड टेस्टामेंट में "प्राचीन ओरिएंट'* ड्यूटेरोनिज्म ' और ओल्ड टेस्टामेंट" शीर्षक से पढ़ रहे हैं। उस लेख के पृष्ठ 4 पर किचन कहता है, "वर्तमान लेखक को 14 वीं -13 वीं शताब्दी ईसा पूर्व की उल्लेखनीय रूप से स्थिर संधि, या वाचा के रूप में व्यवस्थाविवरण के पत्राचार के स्पष्ट प्रमाण से बचने का कोई वैध तरीका नहीं दिख रहा है।" बिंदु यहाँ अनुसरण करते हैं। सबसे पहले, व्यवस्थाविवरण की मूल संरचना और उस संरचना को

विशिष्ट चरित्र देने वाली अधिकांश सामग्री को एक पहचानने योग्य, साहित्यिक इकाई का गठन करना चाहिए। दूसरे, यह 8 वीं या 7 वीं शताब्दी की नहीं, बल्कि नवीनतम 1200 ईसा पूर्व की साहित्यिक इकाई है। जो लोग ऐसा चुनते हैं, वे यह दावा करना चाह सकते हैं कि यह या वह व्यक्तिगत कानून या अवधारणा 13वीं शताब्दी ईसा पूर्व के उत्तरार्ध की तुलना में बाद की प्रतीत होती है, लेकिन केवल पूर्वधारणा के आधार पर वाचा के रूप की आवश्यक विशेषताओं को हटाना अब पद्धतिगत रूप से स्वीकार्य नहीं है, विशेष रूप से 19 वीं शताब्दी ई.पू. की पुरानी, जो केवल सोची गई है, और देर से सिद्ध नहीं हुई है।" दूसरे शब्दों में, फिर से, वह संधि संरचना प्रपत्र के आधार पर ड्यूटेरोनॉमी के विश्लेषण के पूरे वेलहाउज़ेन विचार को चुनौती दे रहा है।

6. मोसाई लेखकत्व पर

थॉम्पसन की अन्य आपत्तियाँ a. भविष्यवक्ताओं पर आधारित व्यवस्थाविवरण अब इसके विपरीत नहीं , थॉम्पसन की आपत्तियाँ। सबसे पहले, वह प्रश्न करता है - जैसा कि मैंने उल्लेख किया है - संधि वाचा सादृश्य पर क्लाइन के तर्क की ताकत पर। लेकिन फिर वह कुछ अन्य चीजों के बारे में भी बोलता है जिससे वह यह निष्कर्ष निकालता है कि किताब मोज़ेक नहीं है। और वह दो तर्कों का हवाला देते हैं जिनका उपयोग व्यवस्थाविवरण की अंतिम तिथि के समर्थकों द्वारा लंबे समय से किया जाता रहा है। वे पहले हैं (यह पृष्ठ 52 पर है), कि "भविष्यवक्ताओं में व्यवस्थाविवरण की याद दिलाने वाले अंश यह साबित नहीं करते हैं कि भविष्यवक्ता व्यवस्थाविवरण को जानते थे। यह संभव है कि व्यवस्थाविवरण भविष्यवक्ताओं पर आधारित था। दूसरे शब्दों में, आप भविष्यवाणी की पुस्तकों के कुछ खंडों और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के बीच भाषा और संबंध की कुछ समानताएँ पाते हैं। बेशक, यह तर्क अक्सर दिया जाता रहा है कि व्यवस्थाविवरण पहले था और भविष्यवक्ता व्यवस्थाविवरण के साथ अपनी परिचितता दर्शाते हैं। उनका कहना है कि वे अंश यह साबित नहीं करते कि भविष्यवक्ता व्यवस्थाविवरण को जानते थे; यह संभव है कि व्यवस्थाविवरण भविष्यवक्ताओं पर आधारित था। इससे पता चलता है कि पैगम्बर पहले थे, व्यवस्थाविवरण बाद में आता है। खैर, फिर से, मुझे लगता है कि उस कथन से यह पता चलता है कि एक तर्क का उपयोग करना कितना कठिन है। प्राथमिकता साबित करना कठिन है, भले ही भविष्यवक्ताओं और

व्यवस्थाविवरण में आप अक्सर दो अनुच्छेदों के बीच संकेत पाते हैं जहाँ आपको समान शब्दावली मिलती है। एदोम के बारे में ओबद्याह और यिर्मयाह 49 के अनुच्छेद को लें, और दोनों ही तरीकों से इस पर तर्क दिया गया है। कुछ लोग कहते हैं कि ओबद्याह यिर्मयाह पर निर्भर है क्योंकि भाषा बहुत समान है। दूसरों का कहना है कि यिर्मयाह ओबद्याह पर निर्भर है। किसी भी तरह से किसी भी प्रकार की निर्णायकता के साथ प्राथमिकता साबित करना बहुत कठिन तर्क है। तो फिर, मुझे नहीं पता कि वह क्यों कहते हैं, "तर्क निर्णायक नहीं है क्योंकि ये समानताएं जरूरी नहीं साबित करतीं कि 8वीं सदी के भविष्यवक्ता व्यवस्थाविवरण को जानते थे, या तो इसके विकासशील रूप में या इसके अंतिम रूप में।" मुझे लगता है कि यह सच है, लेकिन मुझे लगता है कि पूरे तर्क को किसी भी तरह के निर्णायक तरीके से उपयोग करना बहुत कठिन है।

वह वास्तव में कह रहा है कि यदि व्यवस्थाविवरण सोलोमन या डेविड और यूनाइटेड किंगडम के समय में है, तो यह काफी भविष्यवाणी है, और वह इसके खिलाफ बहस नहीं कर रहा है। वह उन लोगों के खिलाफ बहस कर रहा है जो इस सादृश्य का उपयोग करते हैं - वह वास्तव में सिर्फ यह दिखा रहा है कि यह तर्क निर्णायक तर्क नहीं है। मैं इसमें कोई मुद्दा नहीं उठाऊंगा. यह मोज़ेक तिथि के साथ फिट बैठता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि आप इस तरह से मोज़ेक तिथि साबित कर सकते हैं।

जेरेमिया पर थॉम्पसन की बड़ी टिप्पणी में, उस शब्दावली का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया गया है। वह "ड्यूटेरोनॉमिस्टिक स्कूल" को कैसे परिभाषित करते हैं? मुझे यकीन नहीं है। यदि वह कह रहा है कि आसपास ऐसे लोग थे जो व्यवस्थाविवरण की पुस्तक से प्रभावित थे, जो बदले में यिर्मयाह और यिर्मयाह की पुस्तक से प्रभावित थे, तो इसमें कोई समस्या नहीं है। प्रभाव किस ओर जा रहा है? क्या यिर्मयाह ने व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के लेखन को प्रभावित किया? दूसरे शब्दों में, क्या उनके उपदेश ने इस ड्यूटेरोनोमिस्टिक स्कूल को विकसित करने में मदद की जिसने तब ड्यूटेरोनॉमी का निर्माण किया, या क्या ऐसा है कि ड्यूटेरोनॉमी का प्रभाव सदियों से आया और यिर्मयाह की भाषा की संरचना में मदद मिली ? मुझे ऐसा लगता है कि इसमें कोई समस्या नहीं है यदि उनका तात्पर्य यही है, लेकिन मैं निश्चित नहीं हूं। मुझे उम्मीद है कि उसका यही मतलब है।

बी। व्यवस्थाविवरण में मोज़ेक के बाद के परिवर्धन दूसरी बात जो वह कहते हैं वह यह है कि पुस्तक में मोज़ेक के बाद के परिवर्धन हैं। यह आगे पृष्ठ 52 पर है। वह कहते हैं, " यदि मोज़ेक लेखकत्व को स्वीकार कर लिया जाता है, तो सवाल उठता है कि फिर किस स्थान पर मोज़ेक परिवर्धन को पोस्ट करने की अनुमति दी जानी चाहिए? जो लोग मोज़ेक लेखकत्व के लिए संघर्ष करते हैं उनमें से कुछ लोग इन्हें न्यूनतम स्तर पर रखते हैं। स्पष्टतः, अध्याय 34 में मूसा की मृत्यु का विवरण मोज़ेक के बाद का होना चाहिए। पुस्तक की कुछ भौगोलिक अभिव्यक्तियाँ इस दृष्टिकोण से विशेष रुचिकर हैं। जाहिर है, कनान की भूमि फ़िलिस्तीन के अंदर से दिखाई देती है। अभिव्यक्ति "जॉर्डन से परे" को अक्सर मोज़ेक के बाद की अभिव्यक्ति के रूप में लिया गया है क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि वक्ता फ़िलिस्तीन में खड़ा है। बाद में उन्होंने स्वीकार किया कि 'जॉर्डन से परे' अभिव्यक्ति का अर्थ "जॉर्डन के क्षेत्र में" हो सकता है, अभिव्यक्ति में अक्सर परिभाषा का अभाव होता है। मुझे लगता है कि यह सच है. मुझे नहीं लगता कि आप उस भौगोलिक अभिव्यक्ति "जॉर्डन से परे" के लिए निर्णायक तरीके से कोई तर्क दे सकते हैं कि यह अभिव्यक्ति मोज़ेक के बाद की होनी चाहिए। न ही मूसा की मृत्यु का विवरण व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में शामिल होने से मुझे परेशानी होती है। मूसा की मृत्यु के बाद इसे पुस्तक के अंत में जोड़े जाने पर मुझे कोई आपत्ति नहीं है। पूरी किताब उसी तक ले जा रही है, और वहां एक अंतिम नोट डालकर आपको यह बताना, "हां, वह मर गया," मुझे किताब की मोज़ेक उत्पत्ति को स्वीकार करने में कोई बड़ी कठिनाई नहीं लगती है।

वह "जॉर्डन से परे" अभिव्यक्ति: आइए इसे थोड़ा करीब से देखें। यह कई स्थानों पर पाया जाता है, कभी-कभी जॉर्डन के पूर्वी हिस्से के संदर्भ में, दूसरे शब्दों में, जिसे हम ट्रांस-जॉर्डन के नाम से जानते हैं। उदाहरण के लिए, पहले ही अध्याय में, और यही कारण है कि इस बात पर काफी चर्चा की गई है (व्यवस्थाविवरण 1:1 में देखें), "ये वे शब्द हैं जो मूसा ने सारे इस्राएल से कहे थे।" किंग जेम्स कहते हैं, "जॉर्डन के इस तरफ।" हिब्रू में, वह *बीवर है हेयॉर्डन*। अब आप देखिए, कुछ लोगों ने इसका अनुवाद किया है, "ये वे शब्द हैं जो मूसा ने जॉर्डन के पार सारे इस्राएल से कहे थे।" उसने व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के शब्द कहाँ बोले? मोआब के मैदानों में. यह कहता है, "उसने

यह बात जॉर्डन के पार कही।" यहाँ जॉर्डन है और यहाँ मोआब का मैदान है। तो ऐसा लगता है कि लेखक का दृष्टिकोण कनान के अंदर से जॉर्डन के पश्चिमी किनारे पर है। और आपने इसे व्यवस्थाविवरण 1:1, और 1:5 में फिर से उपयोग किया है। राजा जेम्स कहते हैं, "जॉर्डन के इस तरफ, मोआब की भूमि में" लेकिन यह वही अभिव्यक्ति है। यह व्यवस्थाविवरण 4:41, 4:46 आदि में है।

हालाँकि, इसका प्रतिकार करने के लिए, वही अभिव्यक्ति पश्चिमी पक्ष के व्यवस्थाविवरण 3:20 में होती है। देखें 3:20, " जब तक यहोवा तुम्हारे भाइयों को तुम्हारे समान विश्राम न दे, और जो देश तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने उन्हें दिया है वे उस पर अधिकार न कर लें / *हेयॉर्डन*, "जॉर्डन से परे।" "और तब वह हर एक को उसकी निज भूमि में, जो मैं ने तुम्हें दे दी है, लौटा देगा।" यह उन ढाई जनजातियों को दी गई भूमि के बारे में बात कर रहा है जो पूर्व में रहने वाले थे। लेकिन यह पश्चिम की ओर जाने वालों के बारे में बात कर रहा है, और "जॉर्डन के पार" दूसरा रास्ता है। वह व्यवस्थाविवरण 3:20 है। श्लोक 25 में, "मुझे पार जाने दो और यरदन के उस पार के देश को, उस सुन्दर पर्वत को, और लबानोन को देखने दो।" यह स्पष्ट रूप से मोआब के मैदानी इलाकों के दृष्टिकोण से पश्चिमी पक्ष की बात कर रहा है।

लेकिन फिर जो चीज़ इसे और अधिक भ्रमित करती है, वह अध्याय 3 को देखें। और आप देखते हैं कि इसीलिए मैं निश्चित नहीं हूं कि वह इन तर्कों का उपयोग क्यों करता है या वह क्यों कहता है, "अभिव्यक्ति में अक्सर परिभाषा का अभाव होता है और इसे समझना बहुत कठिन काम है सटीक बात।" और भी दिलचस्प बात यह है कि पुराने नियम में इसका 24 बार उपयोग किया गया है, यह अभिव्यक्ति, एक योग्य खंड के साथ, जैसे कि "समुद्र की ओर" जिसका अर्थ पश्चिम होगा, या "सूर्योदय की ओर" जोर्डन से परे सूर्योदय की ओर, जिसका अर्थ होगा मतलब पूर्व. दूसरे शब्दों में, इसमें जोड़े गए अर्हक उपवाक्य यह संकेत देते हैं कि वाक्यांश स्वयं वक्ता के स्थान के संबंध में निर्णायक नहीं है। ऐसा लगता है जैसे यह एक अस्पष्ट वाक्यांश है। ऐसा लगता है जैसे आपको संदर्भ के आधार पर इसका अनुवाद करना होगा। अध्याय तीन की तरह, यह स्पष्ट है कि एक संदर्भ एक पक्ष का संदर्भ दे रहा है और दूसरा संदर्भ दूसरे का संदर्भ दे रहा है, और तब आप लेखक द्वारा उस अभिव्यक्ति को देखने के दृष्टिकोण पर ज्यादा आधारित नहीं हो सकते हैं।

ऐसा लगता है कि यह केवल एक वाक्यांश है जो जॉर्डन के संदर्भ में है लेकिन इस वाक्यांश का उपयोग दोनों पक्षों को संदर्भित करने के लिए किसी भी रूप में किया जा सकता है , जिसका आम तौर पर अर्थ "जॉर्डन के क्षेत्र में" होता है। यह लगभग "ट्रांसजॉर्डन" जैसा है, लेकिन संदर्भ के आधार पर इसे इस तरफ या उस तरफ लागू करना। ऐसा नहीं लगता कि यह कोई विशेष स्थान है; ऐसा लगता है जैसे यह किसी क्षेत्र की बात कर रहा है। या तो जॉर्डन के एक तरफ या जॉर्डन के दूसरी तरफ का क्षेत्र।

ऐसा क्यों है कि थॉम्पसन मोज़ेक तिथि के विरुद्ध तर्क दे रहा है? मैं बहुत निश्चित नहीं हूं क्योंकि मुझे नहीं लगता कि वह संधि प्रपत्र या मूसा की मृत्यु और इस तरह की अभिव्यक्ति के खिलाफ बहस कर रहे हैं - इन चीजों पर लंबे समय से चर्चा की गई है और निर्णायक नहीं हैं, लेकिन किसी में भी मामले में, वह मोज़ेक प्राधिकरण के खिलाफ तर्क देता है।

खैर, मुझे नहीं लगता कि थॉम्पसन का मामला ठोस है, और जहां तक मेरा सवाल है, संधि वाचा सादृश्य मोज़ेक उत्पत्ति की तारीख के लिए एक सशक्त नया तर्क बना हुआ है। मुझे नहीं लगता कि यह प्रमाण है; मुझे नहीं लगता कि आप प्रमाण के संदर्भ में बात कर सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक सशक्त नया तर्क देता है जो मोज़ेक लेखकत्व के लिए लगभग 20-25 साल पहले नहीं था।

सी। कुल मिलाकर कुछ संधि/व्यवस्थाविवरण सादृश्य द्वारा अस्वीकृति दिलचस्प बात यह है, और आप सभी इसे किचन पढ़कर समझ सकते हैं, निकोलसन अब हाल ही में 1986 में आए हैं और सभी सादृश्यों को एक साथ नकार दिया है। यही इस पुस्तक की थीसिस है कि संधि प्रपत्र और अनुबंध प्रपत्र के बीच कोई समानता नहीं है। अब, आप किचन की समीक्षा पढ़ेंगे, इसलिए मैं यहां अधिक विवरण में नहीं जाना चाहता। लेकिन उन्होंने न केवल उस तारीख पर सवाल उठाया है जिस पर ड्यूटेरोनॉमी ने संधि प्रपत्र प्राप्त किया था, जो कि फ्रेंकिना और वेनफेल्ड और थॉम्पसन ने किया था, बल्कि उन्होंने संधि वाचा सादृश्य पर भी सवाल उठाया है। वह इसे अस्वीकार करता है और ठेठ वेलहाउज़ेन में वापस जाना चाहता है। तो यह दिलचस्प है. जहां भी आपको व्यवस्थाविवरण की अनुमानित अंतिम तिथि से पहले वाचा और इज़राइल का विचार मिलता है, वह मानता है कि यह

पहले के समय में वापस ले लिया गया है। संधि-संधि का विचार ही पहले अस्तित्व में नहीं था। हालाँकि, यह सभी सबूतों के सामने बेकार है। यह दिलचस्प है कि विद्वान इस तरह के तर्कों के साथ क्या कर सकते हैं क्योंकि मुझे यह संधि-संविदा लगभग अकाट्य लगती है। रसोई इसे बहुत स्पष्ट करती है; उसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. जाहिरा तौर पर यह उनकी प्रारंभिक प्रतिक्रिया है, और वह इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे और बाद में और अधिक गहन उपचार करेंगे।

डी। श्राप बहस

जॉर्ज मेंडेनहॉल, 1954, ने *द बाइबिलिकल आर्कियोलॉजिस्ट में एक लेख में* हित्ती संधियों और बाइबिल अनुबंध के बीच इस समानता की ओर पहला ध्यान आकर्षित किया। यह एक तरह से वेनफेल्ड के तर्क का हिस्सा है। यदि आप उदाहरण के लिए, कुछ संधि शापों पर जाते हैं, तो फ्रेंकिना एसरहद्दोन संधियों से कुछ शापों का हवाला देगी और दिखाएगी कि वे ड्यूटेरोनॉमी के शापों के कितने करीब हैं। अब, यदि आपके पास 1200 के दशक में हित्ती संधियाँ हैं, और यहाँ असीरियन संधियाँ हैं, मान लीजिए 700 के दशक के आसपास, और फिर आपको ड्यूटेरोनॉमी के समानांतर एक असीरियन संधि मिलती है, तो वेनफेल्ड और फ्रैंकिना का तर्क है कि ड्यूटेरोनॉमी ने असीरियन संधि से उधार लिया है क्योंकि शाप का शब्दांकन बहुत निकट है। क्लाइन का जवाब शाप जैसी चीजों का सूत्रीकरण है - किचन भी यही काम करता है - शाप जैसी चीजों का सूत्रीकरण अभिव्यक्ति के प्रकार के रूप में इतना रूढ़ हो जाता है कि सूत्रीकरण सदियों तक जारी रह सकता है। तो यह निश्चित रूप से संभव है कि व्यवस्थाविवरण को 1200 के दशक में तैयार किया जा सकता है और इसमें किसी चीज़ के लिए एक अभिशाप का सूत्रीकरण किया जा सकता है जो आपको 700 साल बाद असीरियन संधि में मिलेगा क्योंकि रूढ़िबद्ध अभिव्यक्तियों में निरंतरता है जो आपको अभिशाप जैसी चीजों में मिलती है। किचन मिस्र काल के उस उदाहरण को दर्शाता है जहां आप उन ग्रंथों में प्रदर्शनात्मक रूप से एक ही प्रकार की वाक्यांशविज्ञान देखते हैं जो समय में सदियों के अंतर पर हैं।

इ। समग्र संरचना पर विचार लेकिन आप देखिए, आप यहां जिस बारे में बात कर रहे हैं वह उस

समय की संपूर्ण संरचना नहीं है: आप जिस बारे में बात कर रहे हैं वह संरचना के भीतर पृथक तत्व हैं जहां समानता हो सकती है - और यह सच है, वे समानताएँ मिलीं--लेकिन संरचना में समानता प्रारंभिक है। आशीर्वाद और शाप संरचना का हिस्सा हैं, लेकिन यह संरचना की केवल एक इकाई है।

मुझे नहीं लगता कि आप इन चीजों को जबरदस्ती बहुत आगे तक ले जाना चाहते हैं - मेरा मतलब है, हित्ती संधि की तुलना में व्यवस्थाविवरण में आपके पास समानताएं और अंतर दोनों हैं। आपको इसकी मूल रूपरेखा और संरचना मिलेगी, लेकिन इसके अलावा आप उन तत्वों को कैसे परिभाषित करते हैं इसकी पूरी परिभाषा भी प्राप्त कर सकते हैं। एक ऐसा अर्थ है जिसमें आप कह सकते हैं कि संपूर्ण अनुबंध संबंध और अनुबंध का रूप शपथ का एक रूप है। एक अनुबंध क्या है? यह शपथ का विस्तृत रूप है। इसमें प्रतिबंध शामिल हैं. तो, एक तरह से , यह पूरी चीज़ शपथ का एक विस्तृत रूप है। इज़राइल सिनाई में बार-बार कहता है, "हाँ, प्रभु ने हमसे कहा है..." और यह एक शपथ है जहाँ वे वाचा को स्वीकार करते हैं। वे यहोशू 1:4 में फिर से ऐसा करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि आप शपथ जल्दी पा सकते हैं। प्रतिज्ञा और शपथ लगभग पर्यायवाची हैं।

एफ। मोसेस वर्ड्स किचन की समीक्षा में कहा गया है कि निकोलसन अन्य अनुबंधों के सभी सबूतों को नजरअंदाज कर देता है क्योंकि इस शब्द का इस्तेमाल अन्य साहित्य में बहुत पहले से ही किया जाता है, और निकोलसन इसे नजरअंदाज करता है। "मूसा" शब्द का उपयोग विशेष रूप से लेखकत्व को संदर्भित नहीं कर सकता है, लेकिन मूसा से संपूर्ण पेंटाटेच को संदर्भित कर सकता है। उपमाओं के रूप में उपयोग किए गए अन्य दो शीर्षक, सामग्री के लेखकत्व या ज़िम्मेदारी के बारे में कुछ भी सुझाव नहीं देते हैं, लेकिन जब यह "मूसा" कहता है, तो मुझे ऐसा लगता है कि वे नाम से किसी व्यक्ति को ज़िम्मेदारी सौंप रहे हैं।

मैं कहूंगा कि थॉम्पसन जो सुझाव दे रहा था कि सबूत उसके खिलाफ हैं कि सेवक मूसा ने कुछ शब्द बोले थे और यह भी कि उसने कुछ शब्द लिखे थे, लेकिन यह तय करना बेहद मुश्किल है कि व्यवस्थाविवरण में मूसा द्वारा दर्ज किए गए कौन से शब्द उसके हैं, या क्या वे मूसा के रिकॉर्ड

हैं।' संचरण की प्रक्रिया के माध्यम से शब्द। फिर विश्राम करने के लिए यह एक अच्छी जगह है।

एलिसिया मैकडोनाल्ड द्वारा लिखित
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा रफ संपादित
डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा अंतिम संपादन
डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा पुनः सुनाया गया